विरोध | महिलाओं पर आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर घिरी कांग्रेस

फूल सिंह बरैया के बयान पर सियासी बवाल, महिलाओं में आक्रोश

नवभारत शहडोल । कांग्रेस विधायक फूल सिंह बरैया द्वारा महिलाओं के प्रति की गई अभद्र, अशोभनीय और निंदनीय टिप्पणी को लेकर प्रदेश की राजनीति में तीखा भूचाल आ गया है। विपक्षी दलों ने इसे महिला सम्मान पर सीधा हमला बताते हुए कांग्रेस की सोच और संस्कारों पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।इस पूरे मामले में कांग्रेस नेतृत्व की ओर से अब तक कोई स्पष्ट बयान न आने से सियासी विवाद और गहरा गया है। कांग्रेस पार्टी इस बयान से सहमत नहीं है, तो उसे सार्वजनिक रूप से माफी मांगते हुए सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। फूलसिंह बरैया के विरोध में गांधी चौक में पुतला

इनका कहना है

कांग्रेस विधायक फूल सिंह बरैया द्वारा महिलाओं के प्रति की गई अभद्र, अशोभनीय एवं निंदनीय टिप्पणी अत्यंत शर्मनाक है। यह बयान न केवल महिला सम्मान के खिलाफहै, बल्कि कांग्रेस की उस सोच को भी उजागर करता है, जिसमें महिलाओं की गरिमा और सामाजिक मर्यादा के लिए कोई स्थान नहीं है।राहुल गांधी, सोनिया गांधी एवं प्रियंका गांधी वाड्रा को देश की महिलाओं को यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या यही कांग्रेस की विचारधारा और राजनीतिक संस्कार हैं। इस प्रकार की बयानबाज़ी पर चुप्पी साधना भी समान रूप से अपराध है। मैं इस घोर आपत्तिजनक बयान की कड़े शब्दों में निंदा करती हूँ और मांग करती हूँ कि महिलाओं के सम्मान को ठेस पहुँचाने वाले ऐसे लोगों पर तत्काल एवं कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए।

हिमाद्री सिंह , सांसद, शहडोल

देश की महिलाएँ कांग्रेस की इस महिला-विरोधी मानसिकता को भली-भांति पहचान चुकी हैं। फूल सिंह बरैया द्वारा दिया गया बयान अत्यंत शर्मनाक और कांग्रेस की महिला-विरोधी मानसिकता का प्रतीकहै।यह बयान केवल एक व्यक्ति की जुबान की फिसलन नहीं, बल्कि उस पार्टी की सोच को उजागर करता है, जिसमें महिलाओं की गरिमा और सामाजिक मर्यादा के लिए कोई स्थान नहीं है।

मनीषा सिंह ,विधायक, जयसिंहनगर

देश की जनता जानना चाहती है कि क्या यही कांग्रेस की विचारधारा और राजनीतिक संस्कार हैं? ऐसे बयान पर चुप्पी साधना भी उतना ही बड़ा अपराध है। महिला जनप्रतिनिधि ने फूल सिंह बरैया के बयान की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए तत्काल और कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की। उनका कहना था कि महिलाओं के सम्मान को ठेस पहुँचाने वाले नेताओं को राजनीतिक संरक्षण नहीं, बल्कि सख्त सजा मिलनी चाहिए। कांग्रेस विधायक फूल सिंह बरैया द्वारा महिलाओं के प्रति की गई अभद्र, अशोभनीय एवं निंदनीय टिप्पणी अत्यंत शर्मनाक है। यह बयान न केवल महिला सम्मान के खिलाफहै, बल्कि कांग्रेस की उस सोच को भी उजागर करता है, जिसमें महिलाओं की गरिमा और सामाजिक मर्यादा के लिए कोई स्थान नहीं है।प्रियंका गांधी वाड्रा को देश की महिलाओं को यह स्पष्ट करना चाहिए कि क्या यही कांग्रेस की विचारधारा और राजनीतिक संस्कार हैं। इस प्रकार की बयानबाज़ी पर चुप्पी साधना भी समान रूप से अपराध है। मैं इस घोर आपत्तिजनक बयान की कड़े शब्दों में निंदा करती हूँ।

अमिता चपरा
भाजपा जिलाध्यक्ष

कांग्रेस ने हमेशा महिलाओं को केवल वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया है। जब असली सम्मान की बात आती है, तो उनकी जुबान और नीयत दोनों बेनकाब हो जाती हैं। देश की महिलाएँ कांग्रेस की इस महिला-विरोधी मानसिकता को भली-भांति पहचान चुकी हैं। अब खोखले नारों से उन्हें गुमराह नहीं किया जा सकता।

राखी शर्मा
जिला उपाध्यक्ष
भाजपा महिला मोर्चा

सिंदुरी और चुनिया का किया जाएगा समग्र विकास

सीईओ ने वृंदावन ग्रामों का किया भ्रमण, दी योजना की जानकारी

नवभारत, शहडोल । अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत मुद्रिका सिंह ने जनपद पंचायत सोहागपुर अंतर्गत वृंदावन योजना के तहत चयनित ग्राम सिंदूरी एवं चुनिया का भ्रमण किया।भ्रमण के दौरान उन्होंने ग्रामीणों को वृंदावन योजना की जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्येक जिले में ऐसे ग्राम का चयन किया गया है, जहां जनसंख्या 2000 से अधिक एवं गौवंश की संख्या 500 से अधिक हो, ताकि ये ग्राम आत्मनिर्भर बनकर प्रदेश के अन्य गांवों के लिए विकास की मिसाल प्रस्तुत कर सकें।इस योजना के अंतर्गत गौ पालन एवं डेयरी विकास, पर्यावरण संरक्षण, जैविक कृषि, जल संरक्षण, सौर ऊर्जा, चारागाह विकास, अधोसंरचना निर्माण, स्वरोजगार एवं स्वच्छता जैसे कार्यों को सरकार द्वारा 6 चरणों में क्रियान्वित किया जाएगा।प्रारंभिक चरण में चयनित वृंदावन ग्रामों में गौशाला, ग्राम पंचायत भवन, सामुदायिक भवन, स्वास्थ्य केंद्र, स्कूल भवन, सोलर स्ट्रीट लाइट, पुस्तकालय, आजीविका वर्कशेड, पशु चिकित्सालय, सड़क कनेक्टिविटी, पीडीएस दुकान एवं सौर ऊर्जा आधारित हर घर जल जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

10 फरवरी से प्रारंभ होगा फाइलेरिया रोधी कार्यक्रम

नवभारत, शहडोल । जिले के विकासखण्ड सोहागपुर में राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत फाइलेरिया से बचाव हेतु 10 फरवरी से 24 फरवरी 2026 तक सामूहिक दवा सेवन (एम.डी.ए.) अभियान का आयोजन किया जाएगा।फाइलेरिया रोधी कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिला स्तरीय टी.टी. प्रशिक्षण का आयोजन जिला चिकित्सालय परिसर, शहडोल में किया गया। प्रशिक्षण में बताया गया कि एम.डी.ए. कार्यक्रम के तहत विकासखण्ड सोहागपुर के समस्त ग्रामों में अभियान चलाया जाएगा।अभियान के दौरान 02 वर्ष से कम आयु के बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं गंभीर बीमारी से ग्रसित व्यक्तियों को छोड़कर शेष सभी पात्र व्यक्तियों को आयु अनुसार एलबेन्डाजोल एवं डी.ई.सी. दवाओं का सेवन कराया जाएगा।प्रशिक्षण कार्यशाला में मुख्य प्रशिक्षक के रूप में डॉ. देवेंद्र सिंह तोमर, डब्ल्यू.एच.ओ. एन.टी.डी. स्टेट कोऑर्डिनेटर (म.प्र.), पवन मेहरा, फाइलेरिया सलाहकार, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार, गौरव मिश्रा, जिला समन्वयक पी.सी.आई.द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया।इस अवसर पर डॉ. आर.के. शुक्ला (डी.एच.ओ. प्रथम), डॉ. सुनाल स्थापक (मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी, सोहागपुर), शिव शंकर शुक्ला (जिला वी.बी.डी. सलाहकार), जिला कम्युनिटी मोबिलाइजर, सेक्टर सुपरवाइजर, सी.एच.ओ., ए.एन.एम. एवं अन्य स्वास्थ्य अमला उपस्थित रहा।प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को कार्यक्रम की रूपरेखा, दवा वितरण प्रक्रिया, लक्षित लाभार्थियों तक पहुंच, माइक्रोप्लानिंग, रिकॉर्ड संधारण एवं रिपोर्टिंग से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई तथा फील्ड स्तर पर आने वाली चुनौतियों से निपटने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्रदान किए गए।

क्लासरूम से स्टार्टअप तक : शहडोल के छात्रों ने बनाया आत्मनिर्भरता का मॉडल

नवभारत, शहडोल। मेहनत, हुनर और सही सोच के साथ सपनों को हकीकत में बदला जा सकता हैकृइस कथन को पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय शहडोल के फिशरीज विभाग के छात्रों ने चरितार्थ कर दिखाया है। पढ़ाई के साथ आत्मनिर्भर बनने की दिशा में छात्रों ने एक्वा फ्रेंड नामक स्टार्टअप शुरू कर शिक्षा और उद्यमिता का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। फिशरीज विभाग के छात्र कैवल्य प्रजापति और पीयूष मिश्रा ने अपने साथियों के साथ मिलकर एक्वेरियम से जुड़ी समस्याओं को अवसर में बदला। उन्होंने देखा कि जानकारी के अभाव में लोग एक्वेरियम रखने का शौक छोड़ देते हैं। इसी जरूरत को समझते हुए एक्वा फ्रेंड के माध्यम से

वैज्ञानिक तरीके से एक्वेरियम सेटअप, फिश चयन, वाटर क्वालिटी, मेंटेनेंस, क्लीनिंग, फिश फूड, प्लांट और मेडिसिन जैसी संपूर्ण सेवाएं दी जा रही हैं।

छात्र कैवल्य प्रजापति के अनुसार, यह पहल पहले एक शैक्षणिक प्रोजेक्ट थी, लेकिन लोगों के भरोसे के साथ यह एक सफल स्टार्टअप बन गई। वहीं पीयूष मिश्रा बताते हैं कि कस्टमर की पसंद के अनुसार हैंडमेड, आर्टिफिशियल और कस्टमाइज्ड एक्वेरियम भी तैयार किए जा रहे हैं, जिसके लिए एक अलग टीम बनाई गई है।फिशरीज विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. वंदना राम ने बताया कि यह स्टार्टअप नई शिक्षा नीति के तहत स्किल बेस्ड और प्रैक्टिकल लर्निंग का जीवंत उदाहरण है। अब तक एक्वा फ्रेंड से छात्रों को करीब 26 हजार रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है और भविष्य में इसके विस्तार की व्यापक संभावनाएं हैं। आज एक्वा फ्रेंड सिर्फ एक स्टार्टअप नहीं, बल्कि यह संदेश है कि सही मार्गदर्शन और नवाचार से पढ़ाई के साथ कमाई भी संभव है।

गरीब, कमजोर एवं वंचित वर्ग के हितग्राहियों को लाभान्वित करने समाज आए आगे : विधायक

ग्रामोदय से अभ्युदय कार्यक्रम का ब्लॉक स्तरीय शुभारंभ, सामाजिक सहभागिता पर दिया गया जोर

नवभारत, शहडोल । मध्यप्रदेश शासन के महत्वाकांक्षी अभियान ग्रामोदय से अभ्युदय कार्यक्रम का ब्लॉक स्तरीय शुभारंभ पंडित राम किशोर शुक्ल स्मृति महाविद्यालय में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जनभागीदारी, सामाजिक समरसता एवं अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं के लाभ पहुंचाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक विधानसभा क्षेत्र ब्यौहारी शरद जुगलाल कोल रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जयप्रकाश गुप्ता ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला समन्वयक जन अभियान परिषद शहडोल विवेक पांडे उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि विधायक शरद जुगलाल कोल ने अपने संबोधन में कहा कि ग्रामोदय से अभ्युदय कार्यक्रम का मूल उद्देश्य है समाज का अंतिम व्यक्ति, विशेषकर गरीब, कमजोर एवं वंचित वर्ग को शासन की योजनाओं से लाभान्वित करना है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सामाजिक कार्यकर्ता का दायित्व है कि वह सरकार की मंशा के अनुरूप ग्राम के अंतिम छोर तक पहुंचकर जनकल्याण के कार्यों को गति दे तथा समाज में सामाजिक सहभागिता एवं समरसता की भावना को मजबूत करे। कार्यक्रम में नव अंकुर समिति के सदस्यगणयमुना प्रसाद नापित, सुदामा गुप्ता, सुखेंद्र गुप्ता, मंगल सिंह परिहार, जानकीरमण द्विवेदी सहित विभिन्न प्रस्फुटन समितियों के सदस्य एवं परामर्शदाता उपस्थित रहे। परामर्शदाता सरस्वतीचंद्र विद्या, रामेश्वर पाल, हीरालाल साहू, अर्पिता सिंह बैंस, ज्योति पांडे तथा एमएसडब्ल्यू एवं बीएसडब्ल्यू के छात्र-छात्राएं भी कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन परामर्शदाता सरस्वतीचंद्र विद्या द्वारा किया गया। कार्यक्रम में रामेश्वर पाल एवं अर्पिता सिंह वैष्णवी ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में जिला समन्वयक श्री विवेक पांडे द्वारा आभार प्रदर्शन किया गया। उन्होंने कार्यक्रम के उद्देश्यों एवं सामाजिक प्रभाव पर विचार रखे। कार्यक्रम के अंतिम चरण में युवाओं को शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर भैयालाल पाल को कोरोना काल में किए गए उत्कृष्ट सेवा कार्य हेतु, सुशांत माली को लंबी दौड़ में उपलब्धि के लिए, रामदास रावत को लंबी कूद में उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु, अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह जय जन अभियान के उद्घोष के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

मिनी ब्राजील' विचारपुर की बेटियां नेशनल गेम्स में दिखाएंगी दम

मणिपुर में मध्यप्रदेश का करेंगी प्रतिनिधित्व

नवभारत, शहडोल । फुटबॉल के लिए अंतरराष्ट्रीय पहचान बना चुके 'मिनी ब्राजील' के नाम से विख्यात जिले के छोटे से गांव विचारपुर ने एक बार फिर पूरे प्रदेश को गर्व करने का अवसर दिया है। सीमित संसाधनों के बावजूद मजबूत इरादों और अनुशासित प्रशिक्षण के बल पर यहां फुटबॉल की ऐसी नर्सरी तैयार हुई है, जिसकी गूंज अब राष्ट्रीय स्तर तक पहुंच चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'मन की बात' कार्यक्रम में तीन बार उल्लेखित विचारपुर गांव की तीन बेटियों का चयन मध्यप्रदेश अंडर-19 गर्ल्स फुटबॉल टीम में हुआ है। ये खिलाड़ी 23 से 28 जनवरी तक मणिपुर में आयोजित अंडर-19 स्कूल नेशनल गेम्स में राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगी।

राष्ट्रीय मंच पर चमकेंगी गांव की बेटियां

चयनित खिलाड़ियों मेंसुहानी कोल (16 वर्ष, गोलकीपर) यह उनका पांचवां नेशनल टूर्नामेंट होगा। सुहानी जर्मनी में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी खेल चुकी हैं।सपना गुप्ता (18 वर्ष, डिफेंडर) कक्षा 11वीं की छात्रा सपना अब तक तीन नेशनल टूर्नामेंट खेल चुकी हैं।पूनम बैगा (17 वर्ष, स्ट्राइकर) पूनम का यह पहला नेशनल टूर्नामेंट है, लेकिन आत्मविश्वास और मेहनत से वह पूरी तरह तैयार हैं।

कोच और सब-फीडर सेंटर की अहम भूमिका

इन बेटियों की सफलता के पीछे विचारपुर में संचालित सब-फीडर सेंटर और कोच लक्ष्मी सहीस का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। कोच लक्ष्मी सहीस लंबे समय से गांव में रहकर बालिकाओं को नियमित प्रशिक्षण दे रही हैं और उनके खेल के साथ आत्मविश्वास को भी मजबूत कर रही हैं।कोच लक्ष्मी सहीस ने बताया कि 17 से 20 जनवरी तक विदिशा में प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया है, जिसके बाद 20 जनवरी को टीम मणिपुर के लिए रवाना होगी।

गांव से देश तक प्रेरणा की कहानी

विचारपुर की ये बेटियाँ सिर्फ खिलाड़ी नहीं, बल्कि यह संदेश भी हैं कि यदि सही मार्गदर्शन, अनुशासन और अवसर मिले, तो गांव की बेटियाँ भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बना सकती हैं।

धनपुरी नगर परिषद बनेगी प्रदेश की पहली डीकार्बोनाइजेशन सिटी, सीएमओ सम्मानित

नवभारत, शहडोल । अखिल भारतीय स्थानीय स्वशासन संस्थान केंद्र दिल्ली में डिकार्बनाइजेशन भारतीय शहर संवाद एवं विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित किया गया।कार्यशाला में नगर विकेंद्रीकरण पहल के तहत उत्कृष्ट कार्य करने पर शहडोल जिले के मुख्य नगरपालिका अधिकारी धनपुरी पूजा बुनकर को सम्मानित किया गया है।इस अवसर पर संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के भारतीय देश प्रमुख एवं सलाहकार हितेश वैद्य ने धनपुरी नगर परिषद के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि धनपुरी जैसी छोटा शहर स्थानीय निकाय भी देश और विश्व के लिए प्रेरणा बन रहा हैं। मुख्य नगर पालिका अधिकारी पूजा बुनकर ने बताया कि नगर परिषद धनपुरी ने शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य शत-प्रतिशत प्राप्त करने का संकल्प लिया है। प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान का उपयोग धनपुरी के विकास में किया जाएगा एवं नगरपरिषद धनपुरी को प्रदेश की पहली डीकार्बोनाइजेशन सिटी बनाई जाएगी।

जनता परेशान | शराब दुकान पर लगा हरा पर्दा,शासन-प्रशासन की चुप्पी पर उठे सवाल

शहडोल के ऐतिहासिक बाणगंगा मेला क्षेत्र में खुलेआम दारुखोरी

नवभारत, शहडोल। ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था का प्रतीक बाणगंगा सात दिवसीय मेला इन दिनों श्रद्धालुओं और परिवारों की भारी भीड़ से गुलजार है, लेकिन इसी पवित्र मेला क्षेत्र में शराब की कंपोजिट दुकान नंबरद्2 खुलेआम कानून और मर्यादा को ठेंगा दिखा रही है। हालात ऐसे हैं कि लोग शराब खरीदकर दुकान के आसपास खड़े होकर या जमीन पर बैठकर सरेआम शराब पीते नजर आ रहे हैं, जिससे मेले की गरिमा तार-तार हो रही है। हैरानी की बात यह है कि दिनदहाड़े चल रही इस दारूखोरी पर न तो आबकारी विभाग की नजर है और न ही स्थानीय प्रशासन की। हजारों श्रद्धालुओं, महिलाओं और बच्चों की मौजूदगी के बावजूद शराब दुकान के बाहर बना यह मयखाना किसी बड़ी अनहोनी को खुला न्योता देता नजर आ रहा है।

वीडियो वायरल हुआ तो लगाया 'हरा पर्दा'

एक दिन पूर्व सोशल मीडिया पर शराब पीते लोगों का वीडियो वायरल होने और जनआक्रोश बढ़ने के बाद दुकानदार ने आनन-फानन में दुकान के बाहर हरा पर्दा लगाकर अस्थायी अहाता बना दिया। सवाल यह है कि क्या हरा पर्दा लगाकर शराब पिलाना वैध हो जाता है? यह पर्दा न तो कानून की नजर से बचा सकता है और न ही संभावित अपराधों को रोक सकता है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह कदम केवल दिखावे की कार्रवाई है, ताकि प्रशासन को सब कुछ ठीक दिखाया जा सके, जबकि वास्तविकता में अवैध रूप से शराब पिलाने का धंधा बदस्तूर जारी है।

मेले में असामाजिक तत्वों का जमावड़ा

बाणगंगा मेला क्षेत्र में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु स्नान, पूजा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शामिल होने आते हैं। ऐसे में शराबियों की भीड़ न केवल माहौल को खराब कर रही है, बल्कि महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा पर भी गंभीर सवाल खड़े कर रही है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि शाम होते ही शराबियों का जमावड़ा बढ़ जाता है और विवाद की स्थिति बनी रहती है।

क्या मिली है खुली छूट?

लोगों के बीच यह चर्चा आम है कि शराब दुकानदार को शासनदृप्रशासन की खुली छूट मिली हुई है, तभी इतने संवेदनशील और धार्मिक क्षेत्र में खुलेआम नियमों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। यदि समय रहते सख्त कार्रवाई नहीं की गई तो किसी अप्रिय घटना की जिम्मेदारी किसकी होगी, यह सवाल अब जनमानस पूछ रहा है। स्थानीय नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने मांग की है कि मेला अवधि में शराब दुकान को तत्काल बंद किया जाए या कम से कम उसे मेला क्षेत्र से दूर स्थानांतरित किया जाए। साथ ही अवैध अहाता बनाकर शराब पिलाने वाले दुकानदार पर कड़ी कार्रवाई की जाए। बाणगंगा मेला आस्था, संस्कृति और परंपरा का प्रतीक है, न कि शराबखोरी और अव्यवस्था का। अब देखना यह है कि प्रशासन चेतता है या फिर किसी अनहोनी के बाद कार्रवाई होती है।